प्रकाशन तिथि : 01 सितम्बर, 2025
प्रेषण तिथि : 04 सितम्बर, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 29 | अंक 12 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

युवा पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कार निर्माण की कार्यशालाओं का आयोजन

(5 राज्यों में 26 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित, 2800 शिविरार्थियों ने लिया प्रशिक्षण)

समाज की युवा पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण की कार्यशालाओं के रूप में श्री क्षत्रिय युवक संघ के इस सत्र के प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन की श्रृंखला निरंतर जारी है। इस क्रम में 8 से 25 अगस्त के बीच राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र व उत्तरप्रदेश राज्यों में कुल 26 प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुए जिनमें 2800 से अधिक शिविरार्थियों ने संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। जैसलमेर संभाग के चांधन प्रांत में श्री देगराय माता मन्दिर के जूनी जाल परिसर में 8 से 11 अगस्त तक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर संचालक प्रेम सिंह रणधा ने विदाई के समय शिविरार्थियों से कहा कि इस चार दिन के शिविर में स्वधर्म पालन को अपने आचरण में लाने के लिए किए गए यज्ञ में आपने स्वयं को हविष्य के रूप में अर्पण किया। संघ ने अपने कार्यक्रमों के द्वारा आपके भीतर से अहंकार, क्रोधादि विभिन्न तामसिक दुष्प्रवृत्तियों को मिटाकर वहां शौर्य, तेज, धैर्य आदि क्षत्रियोचित के गुणों को स्थापित करने का प्रयत्न किया। आपके अंदर आए इन सद्गुणों की ज्योति को बनाए रखते हुए अब आप संसार के तम को दूर कर प्रकाश फैलाएं। शिविर में भैंसड़ा, उत्तमनगर, कराड़ा, सांवता, भोपा, भीखसर, भैलाणी, दवाड़ा, मूलाना, बडोड़ा गांव, आशायच, रणधा, तेजमालता, जोगीदास का गांव, लखा, भाडली, जेठा, सोढाकोर, राजगढ़, राजमथाई, झलोड़ा, सनावड़ा, हापा, रामगढ़, मोकला, भोजराजपुरम, लीला पारेवर, नगा,

गुगरियाली, महलाणा, गिड़ा आदि गांवों से 160 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जैसलमेर संभाग के म्याजलार प्रांत के धानेली गांव में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन भोजराज सिंह तेजमालता द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ आप जैसे बालकों में समाज के भविष्य की तलाश करता है क्योंकि बाल्यकाल में हम भीतर से कोरे होते हैं। प्रारंभिक समय से ही बालकों के अंदर श्रेष्ठ संस्कारों का बीजारोपण किया जाए, उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति जागृत किया जाए तो वे सहज भाव से उन संस्कारों को ग्रहण कर लेते हैं। शिविर में सरपंच गफूर सिंह, देरावर सिंह, जेठमाल सिंह, खीखुसिंह, झब्बर सिंह, सवाई सिंह सहित समस्त धानेली ग्रामवासियों का सहयोग रहा। शिविर में बैरसियाला, धानेली, सिहड़ार, पूनमनगर, कानोड़ सहित विभिन्न गांवों के 81 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दुर्गादास जी के जीवन से लें क्षत्रियत्व की प्रेरणा: संघप्रमुख श्री

(देशभर में उत्साह पूर्वक मनाई राष्ट्रनायक दुर्गादास राठौड़

दुर्गादास जी भक्त, दाता और शूर थे लेकिन उससे भी बढ़कर उनकी महत्ता इस बात से हैं कि वे एक सच्चे क्षत्रिय थे। हम भी अपने आप को क्षत्रिय कह कर गौरवान्वित होते हैं लेकिन क्या हम केवल राजपूत के घर में जन्म लेने से ही क्षत्रिय बन गए? इस बात पर हमें विचार कर लेना चाहिए। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने क्षत्रिय के सात स्वाभाविक गुण बताए हैं - शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, युद्ध से पीछे न हटना, दान एवं ईश्वरीय भाव। यह सात गुण जिसमें है वह क्षत्रिय है। दुर्गादास जी के व्यक्तित्व को और कृतित्व को हम देखें तो पाएंगे कि ये सभी गुण उनके भीतर मूर्तिमान थे। उन्होंने जैसा जीवन जिया उससे तुलना करके हम अपने आप को टटोल कर देख लें कि क्या हमारे भीतर भी ये गुण

विद्यमान हैं? यदि ऐसा नहीं है तो हमें दुर्गादास जी के जीवन से क्षत्रियत्व की प्रेरणा लेकर इन गुणों को अपने भीतर लाने का प्रयास प्रारंभ कर देना चाहिए। इसी में उनकी जयंती मनाने की सच्ची सार्थकता है। उपर्युक्त बात माननीय संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने बीकानेर संभाग के श्री डूंगरगढ़ में स्थित रघुकुल राजपूत छात्रावास में आयोजित दुर्गादास जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने इस राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए, हमारे मान बिंदुओं के सम्मान के लिए अपनी गर्दनें कटाईं और इसीलिए उन्हें आज भी पूजा जाता है, उनकी जयंतियां मनाई जाती हैं। यदि हमें अपने पूर्वजों की भांति सम्मान पाना है तो उसके लिए हमें अपने भीतर उन्हीं की भांति कर्तव्यबोध को जागृत करना होगा। श्री क्षत्रिय युवक संघ समाज में इसी कर्तव्यबोध को जागृत करने के लिए कार्य कर रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पोकरण विधायक प्रताप पुरी जी ने कहा कि हम इस बात पर चिंतन करें कि हम कौन हैं। हम अपने कर्तव्य कर्म को समझें, अपने जीवन के उद्देश्य को समझें। यदि हमने ऐसा कर लिया तो हमें क्या करना चाहिए, यह भी समझ में आ जाएगा।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

अनीश दयाल सिंह बने उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

केंद्र सरकार ने 24 अगस्त को सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी अनीश दयाल सिंह को प्रधानमंत्री का उप राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त किया है। अनीश दयाल सिंह मणिपुर कैडर के अधिकारी हैं जिन्होंने 1988 में भारतीय पुलिस सेवा में प्रवेश किया। उन्होंने 30 वर्षों तक आईबी में अपनी सेवाएं दी और इसके बाद सीआरपीएफ और आईटीबीपी की कमान भी संभाली। 1964 में जन्मे सिंह उत्तरप्रदेश के प्रयागराज के रहने वाले हैं। उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में देश की आंतरिक सुरक्षा संबंधी रणनीति को आकार देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

दुर्गादास जी के जीवन से लें क्षत्रियत्व की प्रेरणाः संघप्रमुख श्री

(पेज एक से लगातार)

विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने कहा कि दुर्गादास जी के जीवन से प्रेरणा लेकर हम सभी देश व समाज की सेवा में जुट जाएं। जोरावर सिंह भादला ने कहा कि दुर्गादास जी और अन्य महापुरुषों के व्यक्तित्व के निर्माण में उनकी माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसलिए मातृशक्ति द्वारा अपनी सही भूमिका निभाने पर ही महापुरुषों के निर्माण की परंपरा को पुनर्जीवित किया जा सकता है। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष मानमल शर्मा, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष विनोद गिरी गुसाईं, विश्व हिन्दू परिषद के जगदीश स्वामी, सेवादल कांग्रेस के ज़िला प्रभारी विमल कुमार भाटी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन बीकानेर संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर ने किया। राष्ट्र नायक दुर्गादास राठौड़ की जयंती भारतीय पंचांग अनुसार श्रावण शुक्ला चतुर्दशी (8 अगस्त) को एवं ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार 13 अगस्त को देशभर में अनेक स्थानों पर मनाई गई जिनमें स्वयंसेवकों व समाजबंधुओ ने दुर्गादास जी के त्याग और महानता को नमन करते हुए उनके प्रति श्रद्धा व कृतज्ञता प्रकट की। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में जयपुर स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में राष्ट्रनायक वीर दुर्गादास राठौड़ जयंती समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी ने कहा कि 13 अगस्त 1638 से लेकर 22 नवंबर 1718 तक का 80 वर्ष तीन माह और 9 दिन का दुर्गादास जी का जीवन एक ऐसा जीवन है जिसको यदि हम ध्यान से पढ़ लें, सुन लें, जान लें तो हमारे जीवन में बहुत कुछ परिवर्तन आ सकता है। दुर्गादास जी के व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण गुण था उनका दायित्व बोध। उनके सभी संघर्षों का कारण और हेतु उनका दायित्व बोध ही था उनके पूरे जीवन में निज स्वार्थ की कोई बात नहीं थी। उन्होंने जो कुछ किया, अपने कर्तव्य पालन के लिए ही किया। यदि यही बात हमारे जीवन में भी आ जाए तो हमारा जीवन भी बदल जाएगा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गादास जी जैसे महापुरुष पूरे देश के गौरव हैं जिनसे हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस प्रकार की संगोष्ठियों के आयोजन से हमारी नई पीढ़ी को न केवल हमारे महापुरुषों के बारे में जानने का अवसर मिलेगा बल्कि यह भी समझने का अवसर मिलेगा कि नैतिक आचरण और नैतिक मूल्य क्या होते हैं और ये नैतिक मूल्य किस प्रकार से व्यक्ति के व्यक्तित्व को ऊंचा उठाते हैं। लोकायुक्त जस्टिस पी के लोहरा, आरपीएससी के पूर्व चेयरमैन ललित के पंवार, आर्म फोर्स टर्मिनल के अध्यक्ष जस्टिस गोवर्धन बाढ़दार, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, जनरल दलीप सिंह आदि वक्ताओं ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रनायक दुर्गादास जी को नमन किया। कार्यक्रम में भाजपा उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजपा जिलाध्यक्ष अमित गोयल, अनुसूचित जाति वित्त आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक, राजस्थान मदरसा बोर्ड के पूर्व चैयरमेन हिदायत खान, महेंद्र सांडिल्य (अध्यक्ष हाईकोर्ट बार), गजराज सिंह राजावत (अध्यक्ष कलेक्ट्रेट बार), पंकज पंचलंगिया (अध्यक्ष युवा ब्राह्मण महासभा), मंजू शर्मा (पूर्व उपाध्यक्ष विप्र कल्याण बोर्ड), चैन सिंह जी राठौड़ (अध्यक्ष भारतीय क्षत्रिय महासंघ), भारती शेखावत (आर ए एस), भुवनेश्वर सिंह (आर ए एस), राम सिंह जी चंदलाई (अध्यक्ष श्री राजपूत महासभा), गजेंद्र सिंह खोजास (अध्यक्ष मंत्रालयिक कर्मचारी संघ) सहित सैंकड़ों गणमान्यजन उपस्थित रहे। 17 अगस्त को साधना संगम संस्थान के तत्वावधान में नागौर स्थित श्री अमर राजपूत छात्रावास में राष्ट्रनायक दुर्गादास राठौड़ व लोक देवता गोगाजी की जयंती संयुक्त रूप से मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम हम सभी को परस्पर साथ बैठने और चिंतन करने का अवसर देते हैं। वर्तमान समय मे संस्कार का अभाव सबसे बड़ी समस्या है इसलिए संस्कार के बीज को सुरक्षित करने के लिए हमें प्रयास करना होगा। उसी प्रयास का नाम श्री क्षत्रिय युवक संघ है। संघ में युवाओं को अधिकार नहीं अपितु कर्तव्य पालन का पाठ पढ़ाया जाता है। कर्त्तव्य पालन द्वारा ही हम दुगार्दास, गोगाजी, श्रीराम, श्रीकृष्ण, रामदेव जी, पाबू जी, मीरा बाई, हडबुजी, मेहाजी जैसे हमारे पूर्वजों की क्षात्रधर्म की परम्परा को बनाए रख सकते हैं। दुर्गा सिंह डेह ने कहा कि दुर्गादास जी और गोगाजी जी ने सम्पूर्ण जीवन क्षात्रधर्म का पालन किया और इसके कारण ही आज भी संपूर्ण राष्ट्र इन महापुरुषों को याद करता है। आयुवान निकेतन, कुचामन सिटी और श्री चारभुजा छात्रावास, मेडता सिटी में भी जयंती मनाई गई। चौहटन स्थित श्री भवानी क्षत्रिय बोर्डिंग

बालोतरा

हाउस में भी दुर्गादास राठौड़ जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाड़मेर संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली ने कहा कि हमें हमारे इतिहास और महापुरुषों से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ना चाहिए। जिस प्रकार से दुर्गादास जी ने मारवाड़ से निर्वासित होने के बाद भी विरोध न करके समाज चरित्र का निर्वहन किया वैसे ही हमें भी अपने समाज के लिए अपने व्यक्तिगत हितों छोड़ना पड़े तो छोड़ना चाहिए। बाड़मेर स्थित श्री कृष्णा छात्रावास एवं श्री मल्लीनाथ छात्रावास में भी जयंती मनाई गई। बाड़मेर संभाग के सेड़वा प्रांत के गंगासरा में स्थित श्री भूपाल छात्रावास में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें वीर सिंह गंगासरा ने दुर्गादास जी का जीवन परिचय दिया। गुड़ामालानी प्रांत के राणासर कल्ला में स्थित आशापुरा माताजी मंदिर में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। आईनाथ का तला (मीठड़ा) में भी कार्यक्रम हुआ कमल सिंह गेहूं ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के जीवन दर्शन और दुर्गादास राठौड़ के व्यक्तित्व की साम्यता के बारे में बताया। जयपुर के खातीपुरा में गुरुकुल किड्स एकेडमी भी में दुर्गादास जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक राजेन्द्र सिंह बोबासर ने दुर्गादास जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बालकों को उन्हें अपने जीवन का आदर्श बनाकर संघर्ष में डटे रहने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक देवेन्द्र सिंह बरवाली सहकर्मियों एवं छात्रों सहित उपस्थित रहे। पूर्वी राजस्थान संभाग के दौसा प्रांत के रानियावास में भी रक्षाबंधन पर्व और वीर दुर्गादास जी की जयंती का आयोजन किया गया जिसमें दौसा प्रांत प्रमुख नानू सिंह रुखासर ने रक्षाबंधन पर्व का पौराणिक महत्व बताया एवं बाँदीकुई प्रांत प्रमुख लोकेन्द्र सिंह मलारना ने दुर्गादास जी का जीवन परिचय दिया। उदयपुर में 8 अगस्त को क्षत्रिय विकास संस्थान में दुर्गादास राठौड़ की 387वीं जयंती के उपलक्ष्य में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। डॉ कमल सिंह बेमला ने दुर्गादास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई पीढ़ी को अपने इतिहास एवं संस्कृति से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। चंद्रवीर सिंह करेलिया ने श्री क्षत्रिय विकास संस्थान (1983) के बारे में जानकारी प्रदान की। रणबीर सिंह जोलावास ने कहा कि वीर दुर्गादास जी के जीवन के उद्धरणों में हमें निष्ठा, त्याग, समर्पण, कर्त्तव्यपरायणता एवं नारी सम्मान की प्रेरणा मिलती है। डॉ कमलेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि वीर योद्धाओं के जीवन से युवाओं को परिचित कराना अत्यंत आवश्यक है। डॉ विवेक भटनागर ने कहा कि मेवाड़ और मारवाड़ के ऐतिहासिक संबंध एवं राजपूताना की रक्षा में वीर दुर्गादास का योगदान अतुलनीय है। राजसमन्द के हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी के सामुदायिक भवन में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। बृजराज सिंह खारडा द्वारा ने दुगार्दासजी के जीवन के बारे में बताते हुए आज के संदर्भ में संगठित रहने की आवश्यकता के बारे में बताया। भंवर सिंह बेमला ने आगामी 8 अक्टूबर को आयोजित होने वाली महाराणा राज सिंह जी की जयंती एवं संघ के अन्य कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। डूँगरपुर जिले के आसपुर में स्थित जोधा मंगरी राजपूत सभा भवन में वीर दुर्गादास जी की जयंती स्थानीय सामाजिक संगठन वागड क्षत्रिय महासभा मंडल आसपुर द्वारा मनायी गयी। बाँसवाड़ा के नाहरपुरा गांव के रावला परिसर में भी जयंती मनाई गई। डॉ.कमल सिंह बेमला द्वारा दुर्गादास जी की जीवनी पर प्रकाश डाला गया। हनुमंत सिंह सज्जन सिंह का गड़ा द्वारा संघ परिचय देते हुए आगामी शिविरों की जानकारी दी गई। चित्तौड़गढ़ प्रांत में अनुपम विद्या निकेतन कांकरिया (कपासन) प्रांत चित्तौड़गढ़ में भी जयंती मनाई गई। वरिष्ठ स्वयंसेवक बालू सिंह जगपुरा ने संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताया। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

दुर्गादास जी की जन्म स्थली भोपालगढ़ उपखंड क्षेत्र के सालवा कल्ला में स्थित दुर्गादास स्मारक पर भी उनकी जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर भजन गायन सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। भोमसिंह तांबडीया ने दुर्गादास जी का जीवन परिचय दिया। मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा, संघ खंड प्रभारी भरत सिंह, भोपालगढ़ संघ चालक मालाराम सियाग, दुर्गादास जी के वंशज श्रवण करण एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के

जयपुर

स्वयंसेवक महेंद्र सिंह गुजरावास सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय सभा सरवाड़ द्वारा राष्ट्रनायक की जयंती जोधाणा मैरिज गार्डन सरवाड़ (अजमेर) में मनाई गई। कार्यक्रम से पूर्व वाहन रैली का आयोजन भी किया गया। साथ ही इस दौरान सरवाड़ क्षेत्र की राजपूत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह भी रखा गया। कार्यक्रम में अजमेर जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा, केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम, केकड़ी प्रधान होनहार सिंह सापुंदा, शक्ति सिंह बांदीकुई आदि उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने दुर्गादास जी के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में सरवाड़, केकड़ी, भिनाय व बोराडा क्षेत्र के समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। जैसलमेर संभाग के म्याजलार प्रांत के धानेली गांव में आयोजित कार्यक्रम में ईश्वर सिंह बैरसियाला एवं बैरसियाला में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबू सिंह बैरसियाला सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। रामगढ़ स्थित श्री राजपूत छात्रावास व हड़वंत छात्रावास में एवं मोहनगढ़ स्थित राजपूत सभा भवन में जयंती मनाई गई। लीला पारेवर एवं सुल्ताना में भी कार्यक्रम हुए। दुर्गा महिला विकास संस्थान नाथावातपुरा (सीकर) के बालिका छात्रावास में छात्राओं द्वारा 8 अगस्त को जयंती मनाई गई। अनूपगढ़ प्रांत के लालावाली में स्थित मां करणी पब्लिक स्कूल में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें वीरेंद्र सिंह सिंघाना सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। जालौर स्थित श्री वीरमदेव राजपूत छात्रावास जालोर में भी जयंती मनाई गई जिसमें संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। जालौर संभाग में इसरोल (सांचौर), धवला, पांचोटा, देसु, उचमत, धमाना व बागोड़ा में भी कार्यक्रम हुए। पाली के बड़ा गुड़ा (सोजत) और धींगाणा में भी कार्यक्रम हुए। झंझेऊ (बीकानेर) में भी कार्यक्रम हुआ। जोधपुर के पीलवा में भी जयंती मनाई गई। ओसियां स्थित महाराजा श्री गजसिंह शिक्षण संस्थान में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। उदयपुर स्थित भूपाल नोबल्स संस्थान में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला व बृजराज सिंह खारडा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। उगेरी में भी जयंती मनाई गई। तुडबी (गडरा रोड) एवं आकोड़ा (बाड़मेर) में भी कार्यक्रम हुए। चूरू प्रान्त के पायली, नुवां, बंडवा, और रतनगढ़ में कार्यक्रम आयोजित हुए। गेहुँवाड़ा (डूँगरपुर) में भी कार्यक्रम हुआ। अजमेर के बिजयनगर व मसूदा में भी कार्यक्रम हुए। नेतावल खेड़ा (चित्तौड़गढ़) में भी जयंती मनाई गई।

सूरत संभाग के गोडादरा प्रांत के महर्षि आस्तिक हाइस्कूल में भी राष्ट्रनायक दुर्गादास जी की जयंती रक्षाबंधन पर्व के साथ मनाई गई। बाबूसिंह रेवाड़ा द्वारा रक्षाबंधन के पौराणिक महत्व की जानकारी दी गई। भोपाल सिंह शामल एवं दिलीप सिंह गडा ने दुर्गादास जी के जीवन परिचय से अवगत कराया। राजस्थान राजपूत समाज के अध्यक्ष सुमेर सिंह शेखावत ने दुर्गादास जी के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। दक्षिण गुजरात संभाग प्रमुख खेत सिंह चांदेसरा ने कहा कि जयंती उन लोगों की मनाई जाती है जिन्हें सैकड़ों वर्षों बाद भी जनमानस याद करता है। राष्ट्रनायक दुर्गादास न केवल जोधपुर व राजस्थान बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बन्धुओं ने एक दूसरे की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। कार्यक्रम का संचालन भवानी सिंह माडपुरिया ने किया। गुजरात में धंधुका स्थित चूड़ासमा राजपूत समाज बोर्डिंग में दुर्गादास जयंती एवं रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में यज्ञोपवीत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गोहिलवाड संभाग के मोरचंद गांव में दुर्गादास जयंती एवं यज्ञोपवीत कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें भावनगर की भक्तिनगर शाखा एवं मोरचंद, खड़सलिया, थलसर आदि शाखाओं से स्वयंसेवक शामिल हुए। सौराष्ट्र कच्छ संभाग में भावनगर स्थित राजपूत बोर्डिंग हाउस, अवानिया स्थित रामजी मंदिर, नारी, सुरेंद्रनगर स्थित शक्ति मंदिर, धोलेरा स्थित समाज भवन में दुर्गादास जयंती एवं यज्ञोपवीत कार्यक्रम आयोजित हुए। मोरचंद प्रांत की अवानिया शाखा में भी जयंती मनाई गई जिसमें मंगलसिंह धोलेरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। धर्मेंद्र सिंह आंबली ने दुर्गादास जी का जीवन परिचय दिया। 9 अगस्त को मध्य गुजरात संभाग में साणंद तहसील के काणेटी गांव में भी जयंती कार्यक्रम एवं यज्ञोपवीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

युवा पीढ़ी में क्षत्रियोचित संस्कार निर्माण की कार्यशालाओं का आयोजन

चाम्बा

हिण्डोन सिटी

चूली

(पेज एक से लगातार)

बीकानेर संभाग के पूगल प्रांत के कोलासर गांव में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ जिसका संचालन शक्ति सिंह आशापुरा द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि पूज्य तनसिंह जी द्वारा गीता पर आधारित जो संघदर्शन प्रदान किया गया, उसी का व्यावहारिक अभ्यास आपको इन चार दिनों में यहां कराया गया। यहां आपके भीतर कर्तव्य के भाव को जागृत करने का प्रयास किया गया और साथ ही उन संस्कारों का आपके भीतर बीजारोपण किया गया जिनकी आज हमारे समाज को महत्ती आवश्यकता है। शिविर में कोलासर, मेडी मगरा, पंच पीठ, पथड़ो की ढाणी, सुखदेवपुरा, आशापुरा सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 145 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। शिविर के दौरान वीर दुगार्दास जी की जयंती भी मनाई गई जिसमें स्थानीय समाजबंधु शामिल हुए। बीकानेर संभाग में 6 एपीएम अनूपगढ़ में भी इसी अवधि में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। भागीरथ सिंह सेरूणा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि संघ एक उपासना पद्धति है जिसमें हम अपने जीवन का उत्तरोत्तर विकास करते हैं। हमें अपने पूर्वज महापुरुषों के जीवन चरित्र से सदैव प्रेरणा लेनी है और उन्हीं की भांति स्वधर्म का पालन करना है। देवेंद्र सिह हरपालसर फार्म हाउस में आयोजित शिविर में लालावाली, अनूपगढ़, बंडा कॉलोनी, 3एनडी, खाल, छतरगढ़, झेरली, 26एपीडी, 4बीएलडी आदि गाँवो से 70 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। पाली जिले के जैतारण क्षेत्र के बिकरलाई गांव में स्थित कंवर सा बावजी संपत सिंह जी फार्म हाऊस में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 8 से 11 अगस्त तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन करते हुए हीर सिंह लोड़ता ने कहा कि समाज को एकता के सूत्र में बांधे बिना समाज की समस्याओं का हल नहीं हो सकता। एकता तभी आ सकती है जब हममें पारिवारिक भाव विकसित हो और वह तभी होगा जब हमारा एक साथ रहने का अभ्यास होगा। इसीलिए संघ आपको साथ रहने का अभ्यास इस शिविर में करा रहा है। शिविर में जैतारण, रायपुर, बिकरलाई, निबोल, सिनला, डूंगरनगर, लाटोती, तिबड़ी, घोडावड, सोजत, पाली आदि स्थानों के 120 युवाओं ने प्रशिक्षण लिया। अजीतसिंह रुदिया, जितेन्द्र सिंह रायपुर, भगवान सिंह, भवानी सिंह, बजरंग सिंह बिकरलाई आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया। जालौर संभाग के आकोली (चितलवाना) गांव स्थित राजपूत कोटडी में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि आपाधापी के इस युग में आप अपने सारे काम छोड़कर इस शिविर में कुछ प्राप्त करने के लिए आए हैं। यहां आकर यह जानने और समझने का प्रयास अवश्य करें कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें क्या देना चाहता है। संघ हमें आदर्श क्षत्रिय बनाना चाहता है और उसी के लिए हमें इस कठिन अभ्यास की प्रक्रिया में नियोजित कर रहा है। शिविर में कारोला, सिवाड़ा, चौरा, परावा, झोटडा, हरियाली, झाब, तैतरोल आदि गांवों के 81 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जोधपुर संभाग के शेरगढ़ प्रांत के चाबा गांव में स्थित महर्षि गौतम उच्च माध्यमिक विद्यालय चाबा में भी इसी अवधि में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। भवानी सिंह पीलवा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि यहां मिला हुआ शिक्षण तभी सार्थक होगा जब आप उसे अपने व्यवहार में उतारेंगे। यहां से जाने के बाद बाहर का वातावरण इस शिक्षण के अनुकूल नहीं होगा इसलिए आप शाखा के माध्यम से संघ के संपर्क में निरंतर बने रहें। संघ के स्वयंसेवक के रूप में अपने दायित्व को सदैव याद रखें और उसी के अनुरूप परिवार और समाज में रहते हुए श्रेष्ठ आचरण करें। शिविर में चाबा, भोमसागर, गेनाणगढ, गुमान सिंह पुरा व नाहरसिंहनगर सहित आस-पास के विभिन्न गांवों के 250 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शेखावाटी संभाग के चूरू प्रांत के पायली गांव में भी एक शिविर इसी अवधि में संपन्न हुआ। चूरू प्रान्त प्रमुख किशन सिंह गौरीसर ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि हमारा व्यक्तित्व कैसा होगा, यह हमारे संस्कारों पर निर्भर करता है। आज के समय में श्रेष्ठ संस्कार ना परिवारों से मिल पा रहे हैं ना विद्यालय आदि से। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ आपके भीतर क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण के लिए आपको संसार के विषमय वातावरण से दूर एकांत में लाकर यह साधना करा रहा है। शिविर में पायली, बण्डवा, नुवा, रतनगढ़, मितासर, पुन्दलसर, झंझेउ, भोजासर, धिरासर, लुनासर, टीडियासर, गौरिसर आदि गाँवो से 120 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। पायली गांव के समस्त ग्रामवासियों ने व्यवस्था में सहयोग किया। शिविर में दुगार्दास जी की जयंती भी मनाई गई। नागौर संभाग के कुचामन प्रांत के परेवड़ी गांव में स्थित जयमल कोर्ट राजपूत समाज भवन में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 8 से 11 अगस्त तक आयोजित हुआ। नत्थू सिंह छापड़ा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि संघ की सामुहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली से गुजरकर हमारे भीतर पारिवारिक एवं सामाजिक भावों का अभ्युदय होगा और इन भावों से ही आगे चलकर हमारा जीवन व्यवस्थित तथा समाजोपयोगी बन सकेगा। शिविर में परेवड़ी, चावण्डिया, डाबड़ा, छापड़ा, देवली, रसाल, बल्लपुरा, जस्सुपुरा, जुलियासर, दौलतपुरा, चिड़ासरा, जाखली, कांकरिया, ओडिंट, अवाय आदि गांवों के 55 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। नन्दू सिंह, मनोहर सिंह, राजेन्द्र सिंह, राकेश सिंह, नरेन्द्र सिंह आदि ने ग्राम वासियों के साथ मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक भगवत सिंह सिंघाना भी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे। बाड़मेर संभाग के चौहटन प्रांत के खारिया रामसर गांव में भी इसी अवधि में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। राजेंद्र सिंह भियाड़ ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि हमें ईश्वर की कृपा से क्षत्रिय कुल में जन्म मिला है इसलिए हमें हमारी प्रकृति, गुण, कर्म, स्वभाव के अनुसार कर्तव्य कर्म करते हुए समाज और राष्ट्र चरित्र के निर्माण में सहयोगी बनना है। शिविर में दूधवा, उण्डखा, आकोड़ा, खारा, खारिया, भाचभर, रामसर, लिशुआ, चौहटन सहित आसपास के गांवों के 110 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। जसवंत सिंह, गेन सिंह, फतेह सिंह, पदम सिंह खारिया ने समस्त ग्रामवासियों के साथ मिलकर व्यवस्था का जिम्मा संभाला। शिविर के दौरान राष्ट्रनायक दुगार्दास राठौड़ की जयंती भी मनाई गई। बाड़मेर के चूली गांव में स्थित नागणेच्या माता मंदिर परिसर में भी इसी अवधि में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। भगवान सिंह दूधवा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ युग निर्माण का कार्य कर रहा है। वह विष तत्व के विनाश एवं अमृत तत्व के रक्षण का उद्देश्य लेकर चल रहा है। हमारे पूर्वजों ने इसी उद्देश्य के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया था। हमें उन्हीं से प्रेरणा लेकर क्षात्रतेज की ज्योति को चहुंओर प्रसारित करना है। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 125 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के दौरान दुगार्दास जी की जयंती भी मनाई गई। करौली जिले में हिंडौन सिटी स्थित रामपुरा फार्म हाउस, बाईपास क्यारदा खुर्द रोड में चार दिवसीय मातृशक्ति प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 15 से 18 अगस्त तक आयोजित हुआ। शिविर में करौली, जयपुर व हरियाणा के विभिन्न स्थानों से 95 मातृशक्ति ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर का संचालन यशवीर कंवर बैण्याकाबास ने किया। उन्होंने बालिकाओं से कहा कि शिविर में आपको हमारे समाज के इतिहास एवं संस्कृति की जानकारी प्रदान करने के साथ ही खेल, बौद्धिक चचाओं सहित विभिन्न गतिविधियों द्वारा आपके मानसिक व शारीरिक विकास पर भी ध्यान दिया जाता है। इन छोटे-छोटे कार्यक्रमों से श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे भीतर ऐसे संस्कारों का निर्माण करता है जो हमारे जीवन को नई दिशा प्रदान कर सकें। शिविर का मुख्य उद्देश्य आपको अपनी जिम्मेदारियां के प्रति जागरूक करना और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। राजपूत समाज हिंडौन के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया। पाली प्रांत के रानी क्षेत्र में धणा माताजी मंदिर में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि भारत वर्ष पर अनेक विदेशी आक्रांताओं ने आक्रमण किया, हमारी संस्कृति को दूषित करने का प्रयास किया लेकिन हमने उस समय लगातार उनसे संघर्ष किया इसलिए इतना नुकसान नहीं हुआ। परन्तु आजादी के बाद इन 70 वर्षों में हमने इन कुसंस्कारों को बिना संघर्ष के स्वीकार कर लिया। इस संघर्षहीनता के अवगुण को हटाकर हम पुनः क्षत्रियोचित गुणों को ग्रहण करें, इसी का प्रयास श्री क्षत्रिय युवक संघ कर रहा है। शिविर में 25 वर्ष से अधिक आयु के 91 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। पूर्वी राजस्थान संभाग के बांदीकुई प्रांत के बहड़खो-खोहकला (महुआ) गांव में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर जगदंबे विद्या निकेतन में 14 से 17 अगस्त तक आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख मदन सिंह बामणिया ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि पूज्य श्री तनसिंह जी ने जो मार्ग हमें बताया है हम उसका अनुसरण करें, तो ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकेगा। जो कुछ प्रशिक्षण आपको यहां दिया जा रहा है उसको अपने व्यवहार में लाएं और उसे अपने साथियों और परिजनों में भी प्रसारित करें। तभी समाज और राष्ट्र के हित में हम सहभागी बन सकेंगे। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 84 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। गुरुग्राम स्थित मेड इंजी विद्यालय परिसर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। राजेंद्र सिंह बोबासर ने शिविर का संचालन किया। विदाई उद्बोधन में उन्होंने कहा कि क्षत्रिय जाति का इतिहास जितना गौरवशाली और उज्ज्वल है उतना संसार की किसी अन्य जाति या परम्परा का नहीं है। किन्तु वर्तमान में हमारा समाज किंकर्तव्यविमूढ़ हो चुका है जिसे न तो अतीत का सम्यक बोध है और न ही भविष्य की उचित कार्ययोजना। ऐसे में श्री क्षत्रिय युवक संघ अतीत से प्रेरणा प्राप्त करते हुए हमारी आत्म ज्योति की लौ जलाता है ताकि एक सुदृढ़ भविष्य का निर्माण किया जा सके। शिविर में 80 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। नेक्स्ट आईएएस के प्रबंध निदेशक बी सिंह एवं डॉ सुल्तान सिंह खानडी ने आयोजन व्यवस्था में सहयोग किया। उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के बांसडीह में स्थित किड्स केरियर स्कूल में भी 14 से 17 अगस्त तक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित हुआ। शिविर संचालन तारेन्द्र सिंह झिनझिनयाली द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों से चर्चा में कहा कि हम धीरे-धीरे अपनी पहचान को खोते जा रहे हैं जो हम सभी के लिए चिंता की बात है। क्षत्रिय के रूप में अपनी पहचान को कायम रखने के लिए हमें क्षत्रिय की भांति आचरण भी करना होगा। वर्तमान समय में हम किस प्रकार से क्षत्रिय धर्म का पालन कर सकते हैं, इसका प्रशिक्षण श्री क्षत्रिय युवक संघ प्रदान करता है। भीलवाड़ा प्रांत के मांडलगढ़ में भी एक चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 15 से 18 अगस्त तक आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारडा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि आज के समय में सभी लोग धन, संपत्ति, रोजगार, शिक्षा आदि को तो महत्व दे रहे हैं लेकिन संस्कारों पर किसी का ध्यान नहीं है। यदि हम आने वाले पीढ़ी को सुसंस्कारित नहीं बना सकेंगे तो धन-संपत्ति आदि भी उनके किसी काम नहीं आ सकेंगे। (शेष पृष्ठ 6 पर)

नासिक

कोलासर

संपादकीय

समाज जागरण हेतु आवश्यक है व्यापक और बहुआयामी प्रशिक्षण

प्रत्येक कार्य विशिष्ट प्रकार की क्षमता और दक्षता की मांग करता है और यह क्षमता व दक्षता अभ्यास और प्रशिक्षण द्वारा अर्जित करनी पड़ती है। इस बात को हम सभी भली भांति जानते और समझते हैं और इसीलिए हम स्वयं भी जब किसी विशेष कार्यक्षेत्र में उतरना चाहते हैं, उस कार्यक्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करना चाहते हैं, तब उसी के अनुरूप आवश्यक क्षमताएं और दक्षताएं अर्जित करने के लिए हम उस क्षेत्र विशेष में उपलब्ध अनुभवी व प्रामाणिक स्त्रोतों से शिक्षण व प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए स्वयं को प्रस्तुत करते हैं। उसके लिए हम समय, ऊर्जा, अर्थ आदि के रूप में कीमत भी चुकाते हैं। उस कार्यक्षेत्र में जितनी अधिक कुशलता हम प्राप्त करना चाहते हैं, जितनी अधिक विशिष्टता अर्जित करना चाहते हैं, उतना ही अधिक शिक्षण व प्रशिक्षण हमें प्राप्त करना होता है। साथ ही अर्जित कुशलता व दक्षता को बनाए रखने के लिए निरंतर अभ्यास भी आवश्यक होता है और साथ ही उस कार्यक्षेत्र में आ रही नई चुनौतियों और परिवर्तनों के अनुरूप अपने को अद्यतन भी बनाए रखना होता है। इतना ही नहीं, हम स्वयं अपने कार्यक्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक क्षमताएं और दक्षताएं अर्जित करने में तो शिक्षण, प्रशिक्षण व अभ्यास को महत्व देते ही हैं, साथ ही अन्य कार्यक्षेत्र में भी हम उन्हीं लोगों को महत्व देते हैं जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठतम शिक्षण व प्रशिक्षण पाया हो और अधिकतम कुशलता व दक्षता अर्जित की हो। उदाहरण के लिए, यदि हम धन, प्रतिष्ठा आदि की प्राप्ति हेतु अथवा सेवा के उद्देश्य से भी चिकित्सा क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो इसके लिए केवल हमारी इच्छा या सेवाभाव ही पर्याप्त नहीं होगा बल्कि हमें उसके लिए निश्चित शिक्षण व प्रशिक्षण से गुजरना होगा, आवश्यक कुशलताएं व दक्षताएं अर्जित करनी होंगी और उस क्षेत्र में हम जितने ऊंचे शिखर पर पहुंचना चाहते हैं उतना ही अधिक हमें स्वयं को इस प्रक्रिया में नियोजित करना होगा। इसी प्रकार अभियांत्रिकी, अध्यापन, सेना, प्रशासन आदि कोई भी क्षेत्र हो, प्रत्येक क्षेत्र में सफल होने के लिए व्यक्ति को इस प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। अपने किसी अन्य कार्य के लिए भी हम सभी उस क्षेत्र में अनुभवी, कुशल और सुप्रशिक्षित व्यक्ति पर ही विश्वास करते हैं। उपचार के लिए हम श्रेष्ठतम चिकित्सक को चुनने का प्रयास करते हैं और उसके लिए उसके प्रशिक्षण, अनुभव, कुशलता, प्रतिष्ठा आदि के आधार पर ही उसका मूल्यांकन करते हैं। अप्रशिक्षित और गैर-अनुभवी व्यक्ति को हम अपने अथवा परिजनों के उपचार का दायित्व कभी नहीं सौंपेंगे। यही सिद्धांत हम अधिकांशतया जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी लागू करते हैं।

लेकिन सामाजिक क्षेत्र में हममें से अधिकांश उपरोक्त सिद्धांत को उपेक्षित करते दिखाई पड़ेंगे। विचार करें, सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय होने से पूर्व क्या हम कभी समुचित प्रशिक्षण की आवश्यकता अनुभव करते हैं? सामाजिक क्षेत्र में जिन उद्देश्यों को लेकर हम प्रवृत्त होते हैं क्या उन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक क्षमताएं और दक्षताएं जुटाने पर भी हम ध्यान देते हैं? हम चिंतन करें तो पाएंगे कि अधिकांशतया हम ऐसा नहीं करते हैं बल्कि समाज निर्माण के कार्य में हम स्वयं को बिना किसी प्रशिक्षण और परीक्षण के ही कुशल और दक्ष मान लेते हैं और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय होने का प्रयास करते हैं। हम सीधे ही समाज पर अपने पूर्वाग्रहों के आधार पर विभिन्न प्रकार के प्रयोग करने लगते हैं, ठीक उसी प्रकार जैसे कोई व्यक्ति इंटरनेट आदि माध्यमों से आधी अधूरी जानकारी जुटाकर किसी रोगी की शल्य चिकित्सा करने को तत्पर हो जाये। ऐसा होने पर हमारे कार्य का परिणाम (दुष्परिणाम) वही होता है जो ऐसे अप्रशिक्षित तथाकथित चिकित्सक का होता है। ना तो हमारे कार्यों से समाज में वांछित परिवर्तन हम ला पाते हैं और ना ही समाज हमें अग्रेसर या नेतृत्वकर्ता की भूमिका सौंपता है। ऐसे में हमारे भीतर निराशा जन्म लेगी और वह निराशा या तो हमें निष्क्रिय बना देगी अथवा हम नकारात्मकता के शिकार होकर समाज या अन्य व्यक्तियों, संस्थाओं आदि को ही दोष देने लग जाएंगे। समाज कार्य के क्षेत्र में ऐसा होते हुए हम प्रायः देखते हैं। समाज कार्य में बिना उचित प्रशिक्षण और अनुभव के सक्रिय होना तो एक भूल है ही साथ ही यदि हम समाज क्षेत्र में सक्रिय किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था पर बिना यह जाने विश्वास कर लेते हैं कि उनके पास इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण व अनुभव को अर्जित करने की कोई प्रक्रिया है अथवा नहीं, तो यह भी एक भूल ही है। क्योंकि अप्रशिक्षित चिकित्सक से उपचार लेने में रोगी की भी हानि निश्चित है।

यह विडंबना ही है कि हम अपने जीवन के अन्य क्षेत्रों में तो आवश्यक प्रशिक्षण और दक्षता की शर्त को लागू करते हैं लेकिन सामाजिक क्षेत्र में उसे उपेक्षित कर देते हैं, उसका मूल कारण यही है कि हमने समाज कार्य को जीवन के अन्य पक्षों जितना गंभीर और महत्वपूर्ण नहीं माना और ना ही उसकी जटिलताओं और बारीकियों को ठीक से समझने का प्रयास किया। जबकि वास्तविकता में समाज जागरण का क्षेत्र तो सर्वाधिक महत्वपूर्ण एवं जटिल कार्यक्षेत्र है जिसके लिए निश्चित रूप से विशिष्ट और व्यापक प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इस बात को समझे बिना इस कार्यक्षेत्र में उतर जाना अदूरदर्शिता है। इसीलिए पूज्य श्री तनसिंह जी 'समाज चरित्र' पुस्तक में लिखते हैं कि - 'ऊर्ध्वगति की साधना समाज जागरण का साधन है, इसलिए बिना साधना शक्ति का निर्माण किए मार्ग पर बढ़ना अदूरदर्शिता है। प्रत्येक व्यक्ति समाज-जागरण नहीं कर सकता, इसके लिए उसे शिक्षण लेना होगा और फिर अभ्यास द्वारा उस शिक्षा को चरितार्थ करना पड़ेगा। यही साधना है।' वस्तुतः श्री क्षत्रिय युवक संघ की पूरी कार्यप्रणाली समाज जागरण के कार्य हेतु व्यक्ति को प्रशिक्षित करने की ही कार्यप्रणाली है क्योंकि संघ यह भली भांति समझता है कि जब व्यावसायिक कार्यक्षेत्र, जिसमें व्यक्ति के लिए आर्थिक लाभ सहित अनेक आकर्षण उपलब्ध हैं, में भी सफलता के लिए निश्चित प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, तब समाज जागरण जैसे महत्वपूर्ण और गहन कार्य, जिसमें लाभ प्राप्ति की नहीं अपितु त्याग की वृत्ति चाहिए, के लिए तो कहीं अधिक व्यापक और बहुआयामी प्रशिक्षण की आवश्यकता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ वही व्यापक और बहुआयामी प्रशिक्षण अपने शिविरों और शाखाओं के माध्यम से प्रदान करने का कार्य कर रहा है। आएं, हम भी इस प्रशिक्षण में शामिल होकर समाज कार्य हेतु आवश्यक क्षमताओं एवं दक्षताओं को अर्जित करने का प्रयत्न करें।

खीम सिंह टावरकी ने साहसपूर्वक किया कर्त्तव्य का निर्वहन

जैसलमेर जिले में चांधन पुलिस चौकी में पदस्थापित टावरकी निवासी कांस्टेबल खीम सिंह ने अपने कर्तव्य के निर्वहन के समय अदम्य साहस का परिचय दिया। अभय कमांड केंद्र जैसलमेर में चांधन गांव में पति द्वारा पत्नी के साथ मारपीट की सूचना प्राप्त होने पर खीम सिंह को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए गए। खीम सिंह ने मौके पर जाकर विवाद को सुलझाने का प्रयत्न किया किंतु पीड़िता के पति ने आवेश में आकर तेजाब की बोतल से तेजाब पीने का प्रयास किया। इस पर खीमसिंह ने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए तेजाब की बोतल को छीनने का प्रयास किया और इस प्रयास में उनके हाथ और वर्दी भी तेजाब से झुलस गए। लेकिन खीम सिंह ने इसकी परवाह न करते हुए तेजाब की बोतल को छीन लिया और पीड़ित को तुरंत अस्पताल ले गए। खीमसिंह के इस साहसपूर्ण कृत्य की उनके उच्चाधिकारियों के साथ आमजन द्वारा भी सराहना की गई।

लोकोज्ज्वल सिंह राठौड़ को राष्ट्रीय अवार्ड मेडल

टोंक में नियुक्त डिप्टी जेलर लोकोज्ज्वल सिंह राठौड़ को स्वतंत्रता दिवस पर गृह विभाग दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय अवार्ड मेडल प्रदान किया गया। उन्हें महानिदेशक कारागार जयपुर द्वारा अति उत्तम सेवा चिह्न से भी सम्मानित किया गया। लोकोज्ज्वल सिंह अजमेर जिले के कादेड़ा गांव के निवासी हैं।

भाडली में शोक के अवसर पर सहयोग की पहल

जैसलमेर जिले के भाडली गांव के निवासी स्वर्गीय भूर सिंह जी के परिजनों द्वारा उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए उनके देहावसान के पश्चात बैकुंठी न निकालकर बारह दिन पूरे होने पर जवाहिर राजपूत छात्रावास जैसलमेर को 5 लाख रुपए सहयोग राशि भेंट कर अनुकरणीय पहल की।

टोकर व कल्याणपुर में स्नेहमिलन आयोजित

उदयपुर जिले के टोकर (सेमारी) एवं कल्याणपुर (ऋषभदेव) में 24 अगस्त को स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें स्थानीय समाज बंधुओ से संपर्क कर श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्रदान की गई। टोकर में आयोजित कार्यक्रम में संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने संघ परिचय दिया एवं क्षेत्र में लगने वाले आगामी शिविरों के बारे में जानकारी दी। केसर सिंह, मनोहर सिंह व प्रताप सिंह टोकर ने अपने विचार रखते हुए गांव में संघ का शिविर लगाने की बात कही। महिपाल सिंह बाबरी खेड़ा ने श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के बारे में बताया। कल्याणपुर में प्रधानाचार्य दिलीप सिंह के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक गुमान सिंह वालाई ने संघ परिचय दिया।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	**प्रा.प्र.शि.**	05.09.2025 से 07.09.2025 तक	घाटी दोड़बल्लापुरा, बेंगलुरु (कर्नाटक)
02.	**प्रा.प्र.शि.**	05.09.2025 से 07.09.2025 तक	गैथला हनुमान जी, लखतर, सुरेन्द्र नगर-गुजरात
03.	**प्रा.प्र.शि. मातृशक्ति**	05.09.2025 से 07.09.2025 तक	काणेटी, अहमदाबाद, गुजरात
04.	**प्रा.प्र.शि.**	05.09.2025 से 07.09.2025 तक	मुम्बई (महाराष्ट्र)
05.	**प्रा.प्र.शि.**	19.09.2025 से 22.09.2025 तक	भलासरिया, जोधपुर (ओसियां व तिंवरी से बस उपलब्ध है) **संपर्क** - श्रवण सिंह भलासरिया
06.	**प्रा.प्र.शि.**	19.09.2025 से 22.09.2025 तक	भीम जी का गांव, फलोदी (बाप व फलोदी से बस उपलब्ध है) **संपर्क** - जेठू सिंह सिडडा
07.	**प्रा.प्र.शि.**	19.09.2025 से 22.09.2025 तक	सरायन, चूरू (तारानगर से सरायन के लिए बस उपलब्ध है) संपर्क : वीर बहादुर सिंह तारानगर 9660363445
08.	**प्रा.प्र.शि.**	19.09.2025 से 22.09.2025 तक	झालावाड़ **संपर्क सूत्र** - 8784812312
09.	**प्रा.प्र.शि. मातृशक्ति**	19.09.2025 से 22.09.2025 तक	थाणा, मांडल, भीलवाड़ा **संपर्क सूत्र:** 9828511107, 9928504999
10.	**प्रा.प्र.शि.**	19.09.2025 से 22.09.2025 तक	चांदेसरा, बालोतरा
11.	**प्रा.प्र.शि.**	19.09.2025 से 22.09.2025 तक	जोबनेर, जयपुर
12.	**प्रा.प्र.शि.**	20.09.2025 से 23.09.2025 तक	महेंद्रगढ़, हरियाणा
13.	**प्रा.प्र.शि.**	20.09.2025 से 23.09.2025 तक	श्री जय भवानी सेवा संस्थान, सेड़वा, बाड़मेर (चौहटन से बाखासर मार्ग पर)
14.	**प्रा.प्र.शि.**	20.09.2025 से 23.09.2025 तक	राजपूत छात्रावास, जैसलमेर
15.	**प्रा.प्र.शि.**	20.09.2025 से 23.09.2025 तक	राजगढ़, जैसलमेर
16.	**प्रा.प्र.शि.**	20.09.2025 से 23.09.2025 तक	शक्तिनगर, जैसलमेर
17.	**प्रा.प्र.शि.**	20.09.2025 से 23.09.2025 तक	परावा, लाडनूं, नागौर (लाडनूं व सुजानगढ़ से बस उपलब्ध है) **संपर्क** - मनोहर सिंह परावा
18.	**प्रा.प्र.शि.**	20.09.2025 से 23.09.2025 तक	दूठवा, जालौर (सांचौर से बस उपलब्ध है)
19.	**प्रा.प्र.शि.**	26.09.2025 से 28.09.2025 तक	केवी फार्महाउस, छायांसा, वल्लभगढ़, फरीदाबाद (हरियाणा) **संपर्क:** 9467883040, 8708135009, 8287422502, 9090080006, 9991539788, 9599805531
20.	**प्रा.प्र.शि.**	26.09.2025 से 29.09.2025 तक	सिंगोद कला, जयपुर
21.	**प्रा.प्र.शि.**	27.09.2025 से 30.09.2025 तक	आकली, शिव, बाड़मेर
22.	**प्रा.प्र.शि. मातृशक्ति**	27.09.2025 से 30.09.2025 तक	विरात्रा पब्लिक स्कूल, चौहटन, बाड़मेर
23.	प्रा.प्र.शि.	27.09.2025 से 30.09.2025 तक	धायण, जैसलमेर
24.	**प्रा.प्र.शि.**	27.09.2025 से 30.09.2025 तक	झीतड़ा, रोहट (पाली जोधपुर मार्ग पर)
25.	**प्रा.प्र.शि.**	27.09.2025 से 30.09.2025 तक	उचमत (जूना), जालौर (जसवंतपुरा-रेवदर रोड पर 2 किमी अंदर)
26.	**प्रा.प्र.शि.**	27.09.2025 से 30.09.2025 तक	बायोसा माता मंदिर, जीवाणा, जालौर (जालौर बाड़मेर मार्ग पर जीवाणा उतरें)
27.	**प्रा.प्र.शि.**	27.09.2025 से 30.09.2025 तक	चरखड़ा, बीकानेर **सम्पर्क:** रामसिंह चरखड़ा -9828090533
28.	**प्रा.प्र.शि.**	28.09.2025 से 01.10.2025 तक	हरीश राघव पब्लिक स्कूल, सौख रोड, मथुरा (उत्तर प्रदेश) **संपर्क :** 9760026820, 9414211465
29.	**प्रा.प्र.शि.**	29.09.2025 से 02.10.2025 तक	गंगापुरा, गिराब, बाड़मेर (गिराब से गंगापुरा सड़क मार्ग पर)
30.	**प्रा.प्र.शि.**	29.09.2025 से 02.10.2025 तक	सेऊवा, जैसलमेर
31.	**प्रा.प्र.शि. मातृशक्ति**	29.09.2025 से 02.10.2025 तक	रणसी गांव, जोधपुर **संपर्क** - सवाई सिंह, योगेंद्र सिंह रणसीगांव
32.	**प्रा.प्र.शि.**	29.09.2025 से 02.10.2025 तक	खुमाणसर, जैसलमेर
33.	**प्रा.प्र.शि.**	02.10.2025 से 05.10.2025 तक	खेतलाजी मंदिर, घोड़, पाली (नाडोल वाया जवली मार्ग पर) **संपर्क** - कुलदीप सिंह घोड़
34.	**प्रा.प्र.शि.**	02.10.2025 से 05.10.2025 तक	पानरवा (उदयपुर से पानरवा के लिए रोडवेज बस उपलब्ध है) **संपर्क** - मनोहर सिंह, परीक्षित सिंह पानरवा
35.	**प्रा.प्र.शि.**	04.10.2025 से 06.10.2025 तक	शक्ति माता मंदिर दिघड़िया, मोरबी, गुजरात
36.	**प्रा.प्र.शि.**	11.10.2025 से 14.10.2025 तक	सरस्वती कॉलेज, लिंबोई, बड़गांव, बनासकांठा
37.	**मा.प्र.शि.**	14.10.2025 से 20.10.2025 तक	श्री भोलाराम जी का मंदिर, धनवा, तहसील - सिणधरी, जिला - बालोतरा
38.	**मा.प्र.शि.**	14.10.2025 से 20.10.2025 तक	जस्सूपुरा, धोद, सीकर (चांदपोल सीकर से जसवंतपुरा के लिए प्राइवेट बस उपलब्ध है) **संपर्क सूत्र** - 7851859211

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

दीप सिंह रणधा को मारवाड़ रत्न पुरस्कार

जोधपुर स्थित मारवाड़ इंटरेशनल सेंटर, गौरव पथ में मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट मारवाड़-जोधपुर द्वारा वीर दुगार्दास राठौड़ की 387वीं जयंती पर आयोजित समारोह में डिंगल कवि दीपसिंह रणधा को विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में पद्मश्री सीताराम लालस मारवाड़ रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। पूर्व सांसद व महाराजा गजसिंह जोधपुर द्वारा उन्हें यह सम्मान दिया गया।

राजीव प्रताप रूडी बने संविधान क्लब के सचिव

12 अगस्त को दिल्ली के प्रतिष्ठित संविधान क्लब के चुनाव आयोजित हुए जिनमें बिहार के सारण जिले के अमनौर गांव के निवासी एवं सात बार के सांसद राजीव प्रताप रूडी विजयी हुए। 1200 से अधिक सदस्यों वाला यह क्लब राष्ट्रीय महत्व का मंच माना जाता है। केवल वर्तमान और और पूर्व सांसद ही इस क्लब के सदस्य बन सकते हैं। चुनाव में कुल 707 मत पड़े जिनमें रूडी ने 100 से अधिक मतों से संजीव बालियान को पराजित किया।

क्षत्रिय विकास संस्थान उदयपुर के त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न

क्षत्रिय विकास संस्थान उदयपुर के त्रैवार्षिक चुनाव 24 अगस्त को उदयपुर की महाराणा प्रताप कालोनी में स्थित क्षत्रिय विकास भवन में डॉ. गोविंद सिंह चुंडावत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी डॉ. प्रेम सिंह रावलोत के निर्देशन में हुए चुनावों में अध्यक्ष पद पर निर्विरोध भवानी सिंह राणावत (जोलावास) का निर्वाचन हुआ। उपाध्यक्ष नवल सिंह चुंडावत (जुड़), सचिव हिम्मत सिंह शक्तावत (कलवल), सह सचिव प्रो. ललित सिंह चौहान (उलपुरा), वित्त सचिव नरेंद्र सिंह शक्तावत (पुठोली), सांस्कृतिक सचिव गोवर्धन सिंह चौहान (थामला), संगठन सचिव रणविजय सिंह पंवार (सियाणा), महिला सदस्य ओमजीत कंवर (कोचला), रेखा सोलंकी (पाटिया), रेणु चौहान (जोलावास) को भी सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया।

रुद्र प्रताप सिंह ढिंगसरी को रजत पदक

नागौर जिले के ढिंगसरी गांव के निवासी रुद्र प्रताप सिंह ने सीबीएसई वेस्ट जोन बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 91 किलो भार वर्ग में रजत पदक जीता है। इस प्रदर्शन के चलते उनका राष्ट्रीय स्तर पर भी चयन हुआ है। रुद्र प्रताप श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक विक्रम सिंह ढिंगसरी के पुत्र हैं।

युवा पीढ़ी... (पृष्ठ तीन का शेष)

इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ में हमें आपाधापी भरे जीवन में से बाहर निकाल कर क्षत्रियोचित संस्कार देने का प्रयास कर रहा है। शिविर में भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमंद आदि जिलों के 123 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के दौरान शिविरार्थियों द्वारा मांडलगढ़ दुर्ग का भ्रमण भी किया गया। सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। जयपुर संभाग प्रमुख राम सिंह अकदड़ा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि अनुशासन का गुण जिसमें होता है वह बड़ी से बड़ी चुनौती से भी पार निकल जाता है। जिसके जीवन में अनुशासन नहीं होता, उसकी सारी क्षमताएं व्यर्थ हो जाती हैं। इसलिए इस शिविर के चार दिनों में आप अपने आप को पूरी तरह से अनुशासित बनाए रखने का प्रयास करें। यदि आपने ऐसा किया तो आपके जीवन में एक नई ऊर्जा, एक नए उत्साह का जन्म होगा। शिविर में 105 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। सीकर प्रांत के परडोली बड़ी के भोमेश्वर शिक्षण संस्थान में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 14 से 17 अगस्त तक आयोजित हुआ। शिविर संचालक घिसू सिंह कासली ने स्वागत के समय शिविरार्थियों से कहा कि हमारे संस्कारों से ही हमारे चरित्र का निर्माण होता है। जितने श्रेष्ठ हमारे संस्कार होंगे उतना ही उच्च हमारा चरित्र होगा। चरित्र की उच्चता के आधार पर ही हमारे पूर्वजों ने हमारे गौरवशाली इतिहास का निर्माण किया था। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे भीतर वैसे ही उच्च चरित्र के निर्माण के लिए हमें संस्कारित बना रहा है। शिविर में परडोली, कासली, छिंछास, पाटोड़ा, बरसिंगपुरा, बिंजासी, सोला, नाथावतपुरा, चूड़ी, बेरी रामपुरा आदि गाँवों के 90 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण लिया। उत्तर गुजरात संभाग के महेसाणा प्रांत के विहार गांव में स्थित पंद्रह गांव राजपूत समाज वाड़ी में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 15 से 18 अगस्त तक आयोजित हुआ। धर्मेंद्रसिंह मोटीचंदूर ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि संघ कार्य ईश्वरीय कार्य है और ईश्वरीय कार्य में प्रकृति भी हमारा सहयोग करती है। यह हम सब ने इस शिविर में भी अनुभव किया है। हमें नियमित और निरंतर रूप से संघ कार्य करते रहना है। यहां से जाने के बाद आप सभी दोगुने उत्साह से इस कार्य को करने में जुट जाएं। शिविर में भेसाणा, बोरु, टांकिया, समौ, खाटाआंबा, मंडाली, लणवा, चियाडा, लाडोल, महेसाणा, जेतलवासणा, शंखेश्वर, मोतीचंदुर, कमाणा आदि गांवों से 89 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मटकी फोड़ कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। दक्षिण गुजरात संभाग के सूरत ग्रामीण प्रांत के बारडोली में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। नीर सिंह सिंघाना ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि पूज्य तनसिंह जी ने समाज की आने वाली परिस्थितियों को आजादी से पहले ही पहचान लिया था और उसी के अनुरूप समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की थी। उन्होंने समाज को संगठन की शक्ति से शक्तिशाली बनने का मार्ग बताया। हम सभी उस संगठन की मजबूत कड़ी बनकर समाज को मजबूत बनाएं। शिविर में डांभा, कराडा, चलथान आदि स्थानीय गांवो सहित राजस्थान व उत्तरप्रदेश से प्रवासी सूरत में निवासरत 126 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। उत्तर गुजरात संभाग के थराद प्रांत के धनकवाड़ा गांव में स्थित हिंगलाज माताजी के मंदिर में भी चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन विक्रम सिंह कमाणा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि क्षत्रिय कुल में हमें जन्म मिला है इसलिए हम भाग्यशाली है। इस अवसर का सदुपयोग करते हुए हमें श्रेष्ठ आचरण कर-के क्षात्र परंपरा का पालन करना है। हमारे पूर्वजों ने जिस प्रकार प्राणी मात्र की रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया, उसी प्रकार हमें भी अमृत तत्व की रक्षा और विष तत्व के विनाश में सहयोगी होकर क्षत्रिय धर्म निभाना है। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 140 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में 17 अगस्त को स्नेहमिलन कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें स्थानीय समाजबंधु शामिल हुए। गुजरात के महीसागर प्रांत के संतरामपुर में स्थित अल्मा इंटरनेशनल स्कूल परिसर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 15 से 17 अगस्त तक आयोजित हुआ। सहदेवसिंह मूली ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हमें यह सदैव याद रखना चाहिए कि हम किन वीर पूर्वजो की संतान है। सर कटने के बाद भी जो लड़ते रहे, ऐसे वीरों का रक्त हमारी धमनियों में दौड़ रहा है। उस रक्त की सोई हुई तासीर को जगाने का कार्य श्री क्षत्रिय युवक संघ कर रहा है। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 60 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। भादरवा (वडोदरा) में स्थित जी आर भगत हाईस्कूल परिसर में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर इसी अवधि में आयोजित हुआ। शिविर का संचालन दिग्विजयसिंह पलवाड़ा द्वारा किया गया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हमारे जीवन का लक्ष्य हमारे सामने स्पष्ट होना चाहिए तभी हम उस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। संघ हमें हमारे जीवन के मूल उद्देश्य से परिचित करने का प्रयास कर रहा है। यदि आप शिविर की प्रत्येक गतिविधि में पूर्ण मनोयोग से भाग लेंगे तो आप उस उद्देश्य को समझने में अवश्य सफल होंगे। शिविर में 73 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। महाराष्ट्र के नाशिक में भी एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 15 से 17 अगस्त तक आयोजित हुआ। खेत सिंह चांदेसरा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कहा कि पूज्य तनसिंह जी ने समाज के लिए जो स्वप्न देखा है उसे साकार करने के लिए हम सभी को पूरी निष्ठा से संघ कार्य में लगना होगा। पूरे समाज को अपना परिवार मानकर हमें अपने आप को इसकी सेवा में लगाना होगा। संघ हमारे भीतर इसी पारिवारिक भाव को विकसित कर रहा है। मातृस्वरूपा समाज के प्रति नमनशील होकर यदि हम लगातार संघ कार्य करते रहें तो हमें समाज का आशीर्वाद अवश्य प्राप्त होगा। शिविर में नाशिक, मुम्बई, पुणे आदि स्थानों से 160 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सौराष्ट्र कच्छ संभाग में भावनगर स्थित दरबार बोर्डिंग में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 23 से 25 अगस्त तक आयोजित हुआ। मंगल सिंह धोलेरा ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि संघ समाज के सुधार की बात नहीं करता बल्कि स्वयं में सुधार करने की बात करता है। हम अपने में बदलाव लाएंगे तो समाज में स्वतः ही बदलाव आ जाएगा। शिविर में गोहिलवाड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 150 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

तेजमालता बंधुओं को पितृशोक

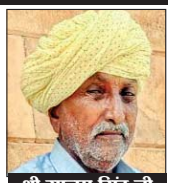
श्री सालम सिंह जी

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक भगवान सिंह, भोजराज सिंह एवं महेंद्र सिंह तेजमालता के पिता **श्री सालम सिंह जी** का देहावसान 26 अगस्त 2025 को हो गया है। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

भैरू सिंह बेलवा को मातृशोक

श्रीमती उगम कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक भैरू सिंह बेलवा के **माताजी श्रीमती उगम कंवर** धर्मपत्नी श्री प्रेम सिंह इंदा का देहावसान 10 अगस्त 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

बेदाना में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जालौर जिले के बेदाना गांव में स्थित आशापुरा माताजी मंदिर में 17 अगस्त को बालोत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र सिंह देवड़ा ने कहा कि समाज की संस्कृति को अक्षुण्ण रखने में समाज की मातृशक्ति का महत्वपूर्ण योगदान है इसलिए बालिका शिक्षा को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित समाजबंधुओ से अपने परिवार के बालक-बालिकाओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविरों में भेजने का भी आग्रह किया। पुलिस उप निरीक्षक डिंपल देवड़ा ने विद्यार्थियों को मोबाइल के आवश्यकता से अधिक प्रयोग को लेकर सचेत किया। सुमन कंवर बेदाना में पचानवा में आयोजित होने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के मातृशक्ति प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर की जानकारी दी। गढ़ सिवाना के गोपाल राम महाराज के सान्निध्य में आयोजित समारोह में राजपूत समाज की 85 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया जिनमें आठवीं, दसवीं, बारहवीं, स्नातक एवं अधिस्नातक में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, राजकीय सेवाओं में नवचयनित युवा, राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खिलाड़ी, स्काउट गाइड व एनसीसी में उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शामिल रहे। आशापुरा मंदिर संस्थान के अध्यक्ष दशरथ सिंह बालोत ने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह के दौरान कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भी मनाया गया।

केथवली व बांसडीह (उत्तरप्रदेश) में स्नेहमिलन का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्य विस्तार के अंतर्गत 17 अगस्त को उत्तरप्रदेश के पूर्वांचल में बलिया जिले के केथवली व बांसडीह में स्नेहमिलन कार्यक्रम का आयोजन कर स्थानीय समाजबंधुओ से सम्पर्क व संवाद किया गया। कार्यक्रम में तारेंद्र सिंह झिझनयाली ने संघ का परिचय दिया। बाबू सिंह केथवली, संजय सिंह व धनंजय सिंह बांसडीह का आयोजन में सहयोग रहा।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

समारोह पूर्वक मनाई वीर शिरोमणि राव जैताजी की जयंती

गिरी-सुमेल युद्ध के महानायक राव जैताजी राठौड़ की 542वीं जयंती 26 अगस्त को वीर शिरोमणि राव जैताजी राठौड़ विकास संस्थान के सौजन्य से बगड़ी नगर स्थित राव जैताजी स्मारक पर समारोह पूर्वक मनाई गई। श्री कृष्ण धाम गुढ़ा मांगलियान के महेन्द्रानंद गिरी, रामघाट वाराणसी के स्वामी निर्मलस्वरूप, बाला सती धाम के चैनकंवर बाईसा के सान्निध्य में आयोजित समारोह में पाली जिला प्रमुख रश्मि सिंह, सिद्धार्थ सिंह रोहटगढ, ऋषिराज सिंह बगड़ी, संस्थान के पूर्व अध्यक्ष भगवतसिंह बगड़ी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष मूलसिंह लाडपुरा ने संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह में इतिहास विद् उदयसिंह डिंगार, राव कूंपा जयंती समारोह अध्यक्ष राजेंद्र सिंह गुढ़ा सूरसिंह सहित अन्य वक्ताओं ने जैताजी के शौर्य के बारे में बताया। हनुमान सिंह खांगटा ने समाज को संगठित और संस्कारित करने पर बल दिया। दीपसिंह भाटी ने 'वीर जैता राठौड़ जस' काव्यपाठ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन चंद्रवीर सिंह सिसरवादा और मोनिका जैतावत बाली ने किया।

रायबरेली और लालगंज में मनाई राणा बेनी माधव बख्श सिंह की जयंती

1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक राणा बेनी माधव बख्श सिंह की 221वीं जयंती उत्तरप्रदेश के रायबरेली में स्मारक समिति द्वारा मनाई गई। कार्यक्रम में डॉ ओपी सिंह ने राणा बेनी माधव बख्श सिंह का जीवन परिचय देते हुए उनके त्याग और संघर्ष से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम को नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता, पूर्व विधायक धीरेंद्र सिंह, पूर्व विधायक अशोक सिंह आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अवनींद्र सिंह ने किया एवं पवन कुमार सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। उपस्थित क्षेत्रवासियों ने राणा बेनी माधव सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। लालगंज में भी नगर कांग्रेस समिति लालगंज द्वारा भी बेनी माधव सिंह की जयंती मनाई गई जिसमें नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतीक शर्मा एवं उपाध्यक्ष रौनक भदोरिया ने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में राणा बेनी माधव सिंह ने अंग्रेजी सत्ता को अद्वितीय साहस का परिचय दिया था। उनसे हमें देशभक्ति की प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी शामिल हुए।

दुर्गादास... (पृष्ठ दो का शेष)

अहमदाबाद शहर प्रांत की बोपल शाखा और कर्णावती क्लब शाखा में भी दुर्गादास जी की जयंती मनाई गई। पालनपुर प्रांत के मेनपर (वड़गाम) में भी कार्यक्रम हुआ। मधुवन व खंढेरा (गुजरात) में भी कार्यक्रम हुए। दक्षिण मुंबई की तणेराज शाखा व जयमल फत्ता शाखा बोरीवली में कार्यक्रम हुए। भायंदर व मलाड में भी जयंती मनाई गई। पुणे में एम्प्रेस गार्डन रेसकोर्स स्थित श्री चामुण्डा माता मन्दिर में जयंती कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पवन सिंह बिखरनिया ने दुर्गादास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में बताया। हैदराबाद की जयमल फत्ता शाखा कुसाईगुड़ा में भी जयंती मनाई गई। दिल्ली में सदर बाजार स्थित दुर्गादास जी के स्मारक पर भी जयंती कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संघ की शास्त्री नगर शाखा के स्वयंसेवक एवं स्थानीय समाजबंधु शामिल हुए। बालोतरा स्थित वीर दुर्गादास राजपूत छात्रावास में भी समारोह पूर्वक राष्ट्रनायक दुर्गादास जी की जयंती मनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गादास जी न केवल वीर योद्धा थे बल्कि चारित्रिक गुणों में भी उनका कोई सानी नहीं है। एक सामान्य राजपूत परिवार में जन्म लेकर वे अपनी योग्यता एवं दृढ़ संकल्प से मारवाड़ के सेनानायक बने। वे मातृभूमि की रक्षा और स्वामी भक्ति के आदर्श बनकर इतिहास में अपना नाम अमर कर गये। श्री क्षत्रिय युवक संघ वीर दुर्गादास राठौड़ को अपना आदर्श मानता है और समाज की आने वाली पीढ़ी में उन्हीं के जैसे गुणों का बीजारोपण करने हेतु प्रतिवर्ष सैकड़ो संस्कार शिविरों का आयोजन करता है। इतिहासविज्ञ एवं शिक्षाविद राजवीर सिंह चलकोई ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रनायक दुर्गादास जी का नाम इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों से अंकित है। वे सफल योद्धा व सेनानायक ही नहीं बल्कि चतुर राजनीतिज्ञ भी थे जिन्होंने मारवाड़, मेवाड़ और मराठा साम्राज्य को एकता के नवीन सूत्र में बांधने का प्रयास किया। उनकी कूटनीति इतनी कुशाग्र थी कि उन्होंने औरंगजेब के पुत्र अकबर को अपने साथ मिला लिया। जब विकट परिस्थितियों में अकबर को दूर जाना पड़ा तब दुर्गादास जी ने उसके परिवार की रक्षा की और उसके पुत्र व पुत्री की इस्लाम धर्म के अनुसार शिक्षा दीक्षा की व्यवस्था कर सच्चे अर्थों में धर्मनिरपेक्षता एवं सर्वधर्म समभाव का उदाहरण प्रस्तुत किया। सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, पचपदरा विधायक डॉ अरुण चौधरी, पूर्व विधायक मदन प्रजापत ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रधान भगवत सिंह जसोल, पूर्व प्रधान हरि सिंह उमरलाई, पूर्व चेयरमैन पासमल भंडारी, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश सितारा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्री राजेन्द्र सिंह जाखोड़ा

को राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव बनने पर उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

प्रदीप सिंह मोरड़ू	**सुमेर सिंह** उथमण	**ईश्वर सिंह** सरण का खेड़ा
महेन्द्र सिंह मालपुरा	**खुशपाल सिंह** उथमण	**देवराज सिंह** मांडाणी
खुशपाल सिंह मोरूआ	**चंद्रवीर सिंह** लूणोल	**प्रवीण सिंह** परावा
अमर सिंह चांदना	**शैलेन्द्र सिंह** उथमण	**वीर बहादुर सिंह** असाडा

राजस्थान राजपूत परिषद मुंबई (महाराष्ट्र) की नवीन कार्यकारिणी में दक्षिण मुंबई से निर्वाचित हुए

श्री सुरेन्द्र सिंह जी सिवाड़ा
(उपाध्यक्ष)

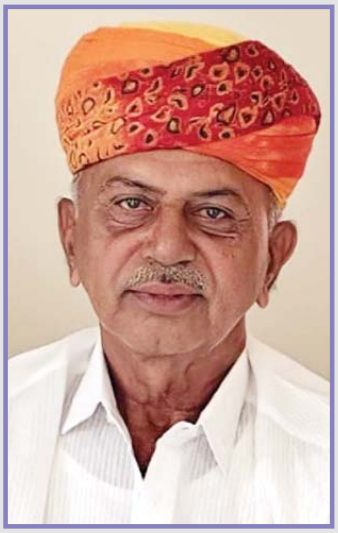

श्री उत्तम सिंह जी विरोल
(सचिव)

श्री बाबू सिंह जी काठाडी
(संगठन मंत्री)

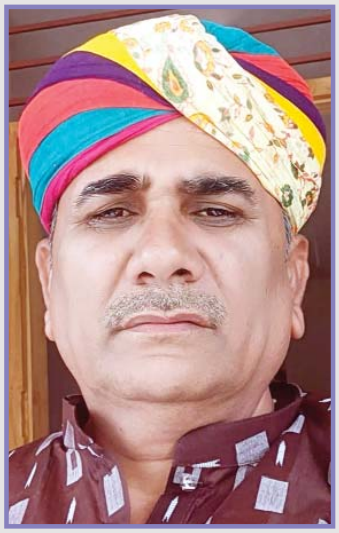

श्री छैल सिंह जी धीरा
(प्रभारी)

को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

देवी सिंह झलोड़ा (जैसलमेर)	**वाघ सिंह** लोहिड़ी (बालोतरा)	**जालम सिंह** मिठोड़ा (बालोतरा)	**नाथू सिंह** काठाड़ी (बालोतरा)	**समंदर सिंह** बालियाना (बालोतरा)
राम सिंह धीरा (बालोतरा)	**जीतू सिंह** नागाणी (सिरोही)	**पूरण सिंह** आमेट (राजसमंद)	**जय सिंह** भालीखाल (बाड़मेर)	**हुकम सिंह** पिपलून (बालोतरा)
पुनम सिंह रानीवाडा काबा (जालौर)	**सुरेन्द्र सिंह** मिठोड़ा (बालोतरा)	**जितेंद्र सिंह** धीरा (बालोतरा)	**वाग सिंह M** लोहिड़ी (बालोतरा)	**नारायण सिंह** डकातरा (जालौर)
श्रवण सिंह P मवड़ी (बालोतरा)	**उत्तम सिंह J** नून (जालौर)	**उत्तम सिंह** अणगोर (सिरोही)	**विशन सिंह** जाणा (पाली)	**मनोहर सिंह** धानसा (जालौर)
दलपत सिंह डभाल (जालौर)	**मकन सिंह** विरोल (जालौर)			

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org